दैनिक भास्कर
जींद भास्कर 17-03-2026

**फोक डांस फेस्टिवल** • सीआरएसयू में पहले दिन छह प्रदेशों के करीब 100 कलाकारों ने दी प्रस्तुति

# यूपी के मयूर नाच व फूलों की होली, उत्तराखंड के छपेली और राजस्थान के चरी-घूमर ने मोहा मन

जींद. नागालैंड के कलाकार अपने प्रदेश की प्रस्तुति देते हुए।

जींद. यूपी के कलाकार मयूर नृत्य करते हुए।

भास्कर न्यूज | जींद

अतुल्य भारत कार्यक्रम के तहत सीआरएसयू में तीन दिवसीय फोक डांस फेस्टिवल का सोमवार को भव्य शुभारंभ हुआ। 16 से 18 मार्च तक चलने वाले इस सांस्कृतिक महोत्सव के पहले दिन देश के विभिन्न राज्यों से आए करीब 100 कलाकारों ने अपनी पारंपरिक लोक नृत्य शैलियों की आकर्षक प्रस्तुतियां देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

उत्तर प्रदेश की टीम ने मयूर नाच और फूलों की होली की प्रस्तुति देकर ब्रज संस्कृति की झलक दिखाई। वहीं उत्तराखंड की टीम ने प्रसिद्ध छपेली नृत्य प्रस्तुत कर खूब वाहवाही बटोरी। राजस्थान की टीम ने चरी और घूमर नृत्य से कार्यक्रम में विशेष आकर्षण पैदा किया। नागालैंड की टीम ने पारंपरिक पोशाक और युद्ध शैली की झलक लिए लोक नृत्य प्रस्तुत कर पूर्वोत्तर भारत की समृद्ध संस्कृति से दर्शकों को रूबरू कराया। रंग-बिरंगे परिधानों, लोक वाद्ययंत्रों और लयबद्ध नृत्य शैलियों से पूरा वातावरण सांस्कृतिक रंग में रंग गया। कलाकारों की शानदार प्रस्तुतियों पर दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनका उत्साहवर्धन किया, जिससे कार्यक्रम यादगार बन गया। कार्यक्रम के पहले दिन मध्य प्रदेश, नागालैंड, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड की टीमों ने अपनी-अपनी पारंपरिक लोक कलाओं की शानदार प्रस्तुतियां दीं। मध्य प्रदेश की टीम ने फोक बैंड के माध्यम से लोक संगीत की मधुर धुनें पेश कीं, जबकि हरियाणा की टीम ने पारंपरिक घूमर नृत्य से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. कैलाश चंद्र शर्मा ने कहा कि ऐसे आयोजन भारत की समृद्ध लोक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। इन कार्यक्रमों के जरिए लोगों को विभिन्न राज्यों की संस्कृति, परंपराओं और लोक जीवन को करीब से जानने का अवसर मिलता है। साथ ही यह मंच लोक कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने और अपनी सांस्कृतिक धरोहर को आगे बढ़ाने का मौका देता है।

युवा एवं सांस्कृतिक विभाग के निदेशक एवं कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि वीसी प्रो. राम पाल सैनी के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय लोक विधाओं के संरक्षण और संवर्धन के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। इसी कड़ी में इस फोक डांस फेस्टिवल का आयोजन किया गया है। विश्वविद्यालय के जनसंपर्क विभाग के निदेशक डॉ. विजय कुमार को तीन दिवसीय समारोह का पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है।

## सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रतिभा प्रदर्शन का माध्यम

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. राजेश बंसल ने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रम किसी भी शैक्षणिक संस्थान की आत्मा होते हैं। ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. कृष्ण कुमार ने बताया कि यह आयोजन संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र प्रयागराज और चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है।

मयूर नृत्य करते कलाकार। स्रोत विवि

मंच पर राजस्थानी नृत्य घूमर की प्रस्तुति देतीं कलाकार। संवाद

मनमोहक

# मयूर, छपेली व नागा नृत्य की दीं मनमोहक प्रस्तुतियां

## सीआरएसयू के मंच पर अतुल्य भारत का आगाज, लोक नृत्यों की थिरकन से जीवंत हुई भारतीय संस्कृति

संवाद न्यूज एजेंसी

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में सोमवार को अतुल्य भारत कार्यक्रम के अंतर्गत तीन दिवसीय फोक डांस फेस्टिवल का शुभारंभ हुआ। इसमें विद्यार्थियों ने मयूर नाच, छपेली और नागा नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां पेश कर समां बांध दिया। यहां देश व राज्यों से आए 100 कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों का लोहा मनवाया।

संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र प्रयागराज और विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में उत्सव में बतौर मुख्य अतिथि प्रो. कैलाश चंद्र शर्मा ने शिरकत की। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समृद्ध लोक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम हैं। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. राजेश बंसल ने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रम शिक्षण संस्थानों की आत्मा होते हैं।

सीआरएसयू में कार्यक्रम में अपनी कला दिखाते कलाकार। संवाद

कार्यक्रम समन्वयक डॉ. कृष्ण कुमार ने बताया कि इस महोत्सव का उद्देश्य आधुनिक युग में युवाओं को अपनी जड़ों और सांस्कृतिक धरोहर पर गर्व करने के लिए प्रेरित करना है। महोत्सव के पहले दिन मध्य प्रदेश, नागालैंड, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से लघु भारत के दर्शन कराए।

उत्तर प्रदेश ब्रज की खुशबू लिए मयूर नाच और फूलों की होली की प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। राजस्थान चरी नृत्य में महिला कलाकारों ने सिर पर जलती हुई चरी रखकर अद्भुत संतुलन दिखाया। वहीं घूमर ने राजस्थानी वैभव की झलक पेश की। नागालैंड पारंपरिक योद्धा वेशभूषा में पूर्वोत्तर भारत की युद्ध शैली वाले नृत्य ने दर्शकों में रोमांच भर दिया।

उत्तराखंड व हरियाणा उत्तराखंड की टीम ने छपेली नृत्य से वाहवाही लूटी तो हरियाणा की टीम ने घूमर के माध्यम से प्रदेश की लोक संस्कृति को जीवंत किया। मध्य प्रदेश फोक बैंड की मधुर धुनों और पारंपरिक वाद्ययंत्रों ने पूरे वातावरण को संगीतमय बना दिया।

कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय लोक विधाओं के संरक्षण के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि उन्हें यहां आकर बहुत कुछ सीखने और अपनी कला को बड़े मंच पर साझा करने का अनूठा अवसर मिला है।

पंजाब केसरी
TUE,17 MARCH 2026
EDITION: JIND KESARI, PAGE NO. 4



# अतुल्य भारत के अंतर्गत सी.आर.एस.यू. में सजा लोक संस्कृति का रंगमंच

## कार्यक्रम के पहले दिन लगभग 100 कलाकारों ने दी प्रस्तुति

*कार्यक्रम का शुभारंभ करते मुख्यातिथि।*

जींद, 16 मार्च (संजीव नैन, संदीप) : अतुल्य भारत कार्यक्रम के अंतर्गत चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में 3 दिवसीय फोक डांस फैस्टिवल का भव्य आगाज हुआ। यह सांस्कृतिक उत्सव 16 से 18 मार्च तक आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम के पहले दिन देश के विभिन्न राज्यों से आए लगभग 100 कलाकारों ने अपनी पारंपरिक लोक नृत्य शैलियों की आकर्षक प्रस्तुति दी।

सांस्कृतिक उत्सव के उद्घाटन अवसर पर समारोह के मुख्यातिथि प्रो. कैलाश चंद्र शर्मा ने उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र प्रयागराज का धन्यवाद करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन भारत की समृद्ध लोक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने बड़ा माध्यम हैं।

इन कार्यक्रमों से विभिन्न राज्यों की संस्कृति, परंपराओं और लोक जीवन के बारे में जानने का अवसर मिलता है साथ ही यह मंच लोक कलाकारों को अपनी प्रतिभा दर्शाने और अपनी सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान करता है। इस आयोजन का उद्देश्य भारत की समृद्ध लोक परंपराओं, जनजातीय संस्कृति और विविध सांस्कृतिक धरोहर को एक मंच पर प्रस्तुत करना है।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. राजेश बंसल ने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रम किसी भी शैक्षणिक संस्थान की आत्मा होते हैं। ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है और उनमें आत्मविश्वास, रचनात्मकता तथा नेतृत्व क्षमता का विकास होता है।

कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. कृष्ण कुमार ने बताया कि यह आयोजन संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र प्रयागराज और चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के संयुक्त के तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ना भी है। वर्तमान आधुनिक और तकनीकी युग में कई बार युवा अपनी जड़ों से दूर होते जा रहे हैं। ऐसे में 'अतुल्य भारत' जैसे कार्यक्रम उन्हें अपनी सांस्कृतिक विरासत को समझने और उस पर गर्व करने के लिए प्रेरित करता है ।

इस भव्य सांस्कृतिक महोत्सव के प्रथम दिन देशभर के विभिन्न राज्यों मध्य प्रदेश, नागालैंड, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के लोक कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति दी। इन कलाकारों ने अपने-अपने राज्यों की पारंपरिक लोक नृत्य शैलियों जैसे जनजातीय नृत्य, क्षेत्रीय सांस्कृतिक नृत्य और लोकगीतों के माध्यम से भारतीय संस्कृति की विविधता को पेश किया।

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के युवा एवं सांस्कृतिक विभाग के निदेशक व कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. अनिल कुमार ने बताया विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. राम पाल सैनी के दिशा-निर्देशन में विश्वविद्यालय लोक विधाओं के संरक्षण और संवर्धन के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी कड़ी में कार्यक्रम का यह आयोजन किया जा रहा है।

विश्वविद्यालय के जनसंपर्क विभाग के निदेशक डॉ. विजय कुमार इस 3 दिवसीय समारोह के पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं। इस दौरान 3 दिवसीय इस सांस्कृतिक महोत्सव में रंगारंग प्रस्तुतियों के साथ-साथ कलाकारों और विद्यार्थियों के बीच संवाद और सांस्कृतिक आदान-प्रदान भी हो रहा है।

कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति दे रहे कलाकारों ने कहा कि हमारे जैसे लोक कलाकारों के लिए यह बेहद महत्वपूर्ण मंच साबित हुआ है, जो दर्शकों के लिए भारत की बहुरंगी सांस्कृतिक विरासत को करीब से देखने और समझने का अनूठा अवसर प्रदान कर रहा है तो वहीं चौ. रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में आकर हमें भी बहुत कुछ सीखने का मौका मिल रहा है।

*कार्यक्रम में प्रस्तुति देते हुए टीमें।*

## विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां, लोक नृत्य और लोक संगीत की रही धूम

**इस** सांस्कृतिक कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से आई टीमों ने अपनी-अपनी पारंपरिक लोक कलाओं की शानदार प्रस्तुतियां देकर दर्शकों का मन मोह लिया। रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों, वाद्ययंत्रों और आकर्षक नृत्य शैलियों से पूरा वातावरण सांस्कृतिक रंग में रंग गया।

कार्यक्रम दौरान दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में मध्य प्रदेश की टीम ने अपने फोक बैंड के माध्यम से लोक संगीत की मधुर धुनें पेश कीं। ढोलक, हारमोनियम और अन्य पारंपरिक वाद्य यंत्रों की संगत पर गाए गए लोकगीतों ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया।

हरियाणा की टीम ने पारंपरिक 'घूमर' नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस दौरान कलाकारों ने लयबद्ध अंदाज में घूमर की प्रस्तुति दी, जिसने उपस्थित दर्शकों को खूब आकर्षित किया। उत्तर प्रदेश की टीम ने 'मयूर नाच' और 'फूलों की होली' की शानदार प्रस्तुति दी। मयूर नृत्य में कलाकारों ने मोर की भाव भंगिमा को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया, वहीं फूलों की होली की प्रस्तुति ने ब्रज की पारंपरिक होली की याद दिलाई। उत्तराखंड से यहां पहुंची टीम ने प्रसिद्ध लोकनृत्य 'छपेली' प्रस्तुत किया। इस नृत्य में कलाकारों ने पारंपरिक वेशभूषा में लोकगीतों की धुन पर आकर्षक नृत्य कर दर्शकों की खूब वाहवाही लूटी।

राजस्थान की टीम ने 'चरी' और 'घूमर' नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। चरी नृत्य में महिला कलाकारों ने सिर पर जलती हुई दीपों से सजी चरी रखकर संतुलन के साथ नृत्य किया, जो कार्यक्रम का विशेष आकर्षण का केंद्रबिंदु रहा। वहीं घूमर की प्रस्तुति ने राजस्थानी संस्कृति की झलक पेश की। इसके अलावा नागालैंड की टीम ने अपने पारंपरिक लोक नृत्य से कार्यक्रम में चार चांद लगाए। कलाकारों ने पारंपरिक पौशाक और युद्ध शैली की झलक लिए नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों को पूर्वोत्तर भारत की समृद्ध संस्कृति से रू-ब-रू कराया। कार्यक्रम दौरान दर्शक कलाकारों की प्रस्तुतियों का भरपूर आनंद लेते नजर आए। विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक झलकियों ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया।

## अतुल्य भारत कार्यक्रम के तहत चौधरी रणबीर सिंह विवि में तीन दिवसीय फॉकडांस फेस्टिवल का भव्य आगाज

# सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से कलाकारों ने बांधा समां

### जनजातीय नृत्य, क्षेत्रीय सांस्कृतिक नृत्य और लोकगीतों से भारतीय संस्कृति की विविधता को पेश किया

**कार्यक्रम के पहले दिन लगभग 100 कलाकारों ने दी प्रस्तुति**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद



जींद। कार्यक्रम का शुभारंभ करते मुख्यातिथि। फोटो :हरिभूमि



जींद। कार्यक्रम में प्रस्तुति देते टीमें। फोटो :हरिभूमि





#### कलाकारों का उत्साहवर्धन किया

सांस्कृतिक कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से आई टीमों ने अपनी-अपनी पारंपरिक लोक कलाओं की शानदार प्रस्तुतियां देकर दर्शकों का मन मोह लिया। रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों, वाद्य यंत्रों और आकर्षक नृत्य शैलियों से पूरा वातावरण सांस्कृतिक रंग में रंग गया। कार्यक्रम के दौरान दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में मध्य प्रदेश की टीम ने अपने फोक बैंड के माध्यम से लोक संगीत की मधुर धुनें पेश की। ढोलक, हारमोनियम और अन्य पारंपरिक वाद्य यंत्रों की संगत पर गाए गए लोकगीतों ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। हरियाणा की टीम ने पारंपरिक घूमर नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस दौरान कलाकारों ने लयबद्ध अंदाज में घूमर की प्रस्तुति दी। जिसने उपस्थित दर्शकों को खूब आकर्षित किया।

#### लोकगीतों की धुन पर आकर्षक नृत्य

उत्तर प्रदेश की टीम ने मयूर नाच और फूलों की होली की शानदार प्रस्तुति दी। वहीं फूलों की होली की प्रस्तुति ने ब्रज की पारंपरिक होली की याद दिलाई। उत्तराखंड से यहां पहुंची टीम ने प्रसिद्ध लोकनृत्य छपेली प्रस्तुत किया। इस नृत्य में कलाकारों ने पारंपरिक वेशभूषा में लोकगीतों की धुन पर आकर्षक नृत्य कर दर्शकों की खूब वाहवाही लूटी। राजस्थान की टीम ने चरी और घूमरऽ नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी। चरी नृत्य में महिला कलाकारों ने सिर पर जलती हुई दीपों से सजी चरी रख कर संतुलन के साथ नृत्य किया। जो कार्यक्रम का आकर्षण का केंद्र बिंदु रहा। वहीं घूमर की प्रस्तुति ने राजस्थानी संस्कृति की झलक पेश की। इसके अलावा नागालैंड की टीम ने पारंपरिक लोक नृत्य से कार्यक्रम में चार चांद लगाए। कलाकारों ने पारंपरिक पोशाक और युद्ध शैली की झलक लिए नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों को पूर्वोत्तर भारत की समृद्ध संस्कृति से रूबरू कराया।

अतुल्य भारत कार्यक्रम के तहत चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में सोमवार को तीन दिवसीय फॉकडांस फेस्टिवल का भव्य आगाज हुआ। सांस्कृतिक उत्सव 16 मार्च से 18 मार्च तक आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम के पहले दिन देश के विभिन्न राज्यों से आए लगभग 100 कलाकारों ने अपनी पारंपरिक लोक नृत्य शैलियों की आकर्षक दी। सांस्कृतिक उत्सव के उद्घाटन अवसर पर समारोह के मुख्यअतिथि प्रो. कैलाश चंद्र शर्मा ने उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र प्रयागराज का धन्यवाद करते कहा कि ऐसे आयोजन भारत की समृद्ध लोक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने बड़ा माध्यम हैं। इन कार्यक्रमों से विभिन्न राज्यों की संस्कृति परंपराओं और लोक जीवन के बारे में जानने का अवसर मिलता है साथ ही यह मंच लोक कलाकारों को अपनी प्रतिभा दर्शाने और अपनी सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान करता है। इस आयोजन का उद्देश्य भारत की समृद्ध लोक परंपराओं, जनजातीय संस्कृति और विविध सांस्कृतिक धरोहर को एक मंच पर प्रस्तुत करना है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. राजेश बंसल ने अपने संबोधन में कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रम किसी भी शैक्षणिक संस्थान की आत्मा होते हैं।

ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है और उनमें आत्मविश्वास, रचनात्मकता तथा नेतृत्व क्षमता का विकास होता है। कार्यक्रम के समन्वयक डा. कृष्ण कुमार ने सोमवार को यहां यह जानकारी देते बताया कि यह आयोजन संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र प्रयागराज और चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के संयुक्त के तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ना भी है। वर्तमान आधुनिक और तकनीकी युग में कई बार युवा अपनी जड़ों से दूर होते जा रहे हैं। ऐसे में अतुल्य भारत जैसे कार्यक्रम उन्हें अपनी सांस्कृतिक विरासत को समझने और उस पर गर्व करने के लिए प्रेरित करता है। इस भव्य सांस्कृतिक महोत्सव के प्रथम दिन देशभर के विभिन्न राज्यों मध्य प्रदेश, नागालैंड, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के लोक कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति दी। इन कलाकारों ने अपने-अपने राज्यों की पारंपरिक लोक नृत्य शैलियों जैसे जनजातीय नृत्य, क्षेत्रीय सांस्कृतिक नृत्य और लोकगीतों के माध्यम से भारतीय संस्कृति की विविधता को पेश किया। चौधरी रणबीर सिंह विवि के युवा एवं सांस्कृतिक विभाग के निदेशक व कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डा. अनिल कुमार ने बताया कि विवि लोक विधाओं के संरक्षण और संवर्धन के लिए निरंतर प्रयासरत है। विवि के जनसंपर्क विभाग के निदेशक डा. विजय कुमार इस तीन दिवसीय समारोह के पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं। इस दौरान तीन दिवसीय इस सांस्कृतिक महोत्सव में रंगारंग प्रस्तुतियों के साथ-साथ कलाकारों और विद्यार्थियों के बीच संवाद और सांस्कृतिक आदान-प्रदान भी हो रहा है। कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति दे रहे कलाकारों ने कहा कि हमारे जैसे लोक कलाकारों के लिए यह बेहद महत्वपूर्ण मंच साबित हुआ है, जो दर्शकों के लिए भारत की बहुरंगी सांस्कृतिक विरासत को करीब से देखने और समझने का अनूठा अवसर प्रदान कर रहा है तो वहीं चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में आकर हमें भी बहुत कुछ सीखने का मौका मिल रहा है।

## चौधरी रणबीर सिंह विवि में लोक नृत्य महोत्सव का भव्य आगाज

# कलाकारों ने बिखेरे लोक संस्कृति के रंग

जींद (जुलाना), 16 मार्च (हप्र)

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय (सीआरएसयू) जींद में सोमवार को अतुल्य भारत कार्यक्रम के तहत तीन दिवसीय लोक नृत्य महोत्सव का भव्य आगाज हुआ। 18 मार्च तक आयोजित होने वाले इस सांस्कृतिक महोत्सव के पहले दिन देश के विभिन्न राज्यों से आए 100 कलाकारों ने अपनी पारंपरिक लोक नृत्य और लोक संगीत प्रस्तुतियों से पूरे विश्वविद्यालय परिसर को सांस्कृतिक रंगों से सराबोर कर दिया। कार्यक्रम का आयोजन संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र प्रयागराज और चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। इस आयोजन का उद्देश्य भारत की समृद्ध लोक परंपराओं, जनजातीय संस्कृति और विविध सांस्कृतिक धरोहर को एक मंच पर प्रस्तुत करना तथा युवा पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोडना है।

उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो. कैलाश चंद्र शर्मा ने कहा कि ऐसे आयोजन भारत की समृद्ध लोक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि इन कार्यक्रमों के माध्यम से विभिन्न राज्यों की संस्कृति, परंपराओं और लोक जीवन के बारे में जानने का अवसर मिलता है तथा लोक कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का सशक्त मंच मिलता है। सीआरएसयू के कुलसचिव डॉ. राजेश बंसल ने कहा कि सांस्कृतिक गतिविधियां किसी भी शैक्षणिक संस्थान की पहचान होती हैं। ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, रचनात्मकता और नेतृत्व क्षमता को बढ़ावा देते हैं तथा उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान करते हैं। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. कृष्ण कुमार ने बताया कि आधुनिक और तकनीकी युग में कई बार युवा अपनी सांस्कृतिक जड़ों से दूर होते जा रहे हैं। ऐसे में अतुल्य भारत जैसे कार्यक्रम युवाओं को अपनी संस्कृति और परंपराओं को समझने तथा उस पर गर्व करने के लिए प्रेरित करते हैं।

जींद में सोमवार को सीआरएसयू में आयोजित कार्यक्रम में शानदार नृत्य प्रस्तुत करते अन्य प्रदेश के कलाकार। -हप्र

### इन्होंने दिखाई प्रतिभा

लोक नृत्य महोत्सव के पहले दिन मध्य प्रदेश, नागालैंड, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड से आए कलाकारों ने अपनी-अपनी पारंपरिक लोक नृत्य शैलियों की प्रस्तुति दी। कलाकारों ने जनजातीय नृत्य, क्षेत्रीय सांस्कृतिक नृत्य और लोकगीतों के माध्यम से भारत की विविध सांस्कृतिक विरासत को मंच पर जीवंत कर दिया। रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों और वाद्ययंत्रों के साथ दी गई प्रस्तुतियों ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों की टीमों ने अपनी पारंपरिक लोक कलाओं की शानदार प्रस्तुतियां दीं। मध्य प्रदेश की टीम ने फोक बैंड के माध्यम से लोक संगीत की मधुर धुनें प्रस्तुत कीं। हरियाणा की टीम ने पारंपरिक 'घूमर' नृत्य से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उत्तर प्रदेश की टीम ने 'मयूर नाच' और 'फूलों की होली' की मनमोहक प्रस्तुति दी, जबकि उत्तराखंड की टीम ने प्रसिद्ध 'छपेली' नृत्य प्रस्तुत कर खूब तालियां बटोरीं। राजस्थान की टीम ने 'चरी' और 'घूमर' नृत्य प्रस्तुत किया, जिसमें महिला कलाकारों ने सिर पर जलते दीपों से सजी चरी रखकर संतुलन के साथ नृत्य किया। वहीं नागालैंड के कलाकारों ने पारंपरिक पोशाक और युद्ध शैली की झलक लिए लोक नृत्य प्रस्तुत कर पूर्वोत्तर भारत की संस्कृति से दर्शकों को रूबरू कराया।

### कलाकारों, विद्यार्थियों के बीच सांस्कृतिक संवाद

तीन दिवसीय इस सांस्कृतिक महोत्सव में केवल प्रस्तुतियां ही नहीं, बल्कि कलाकारों और विद्यार्थियों के बीच सांस्कृतिक संवाद और अनुभवों का आदान-प्रदान भी हो रहा है। कलाकारों ने कहा कि ऐसे मंच लोक कलाकारों के लिए बेहद महत्वपूर्ण होते हैं, जहां उन्हें अपनी कला प्रस्तुत करने के साथ-साथ देश के विभिन्न हिस्सों की संस्कृति को समझने का अवसर मिलता है। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय परिसर तालियों की गड?ड़ाहट और लोक संगीत की मधुर धुनों से गूंजता रहा तथा विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने पहले दिन के आयोजन को यादगार बना दिया।

# Folk dance festival showcases vibrant cultural traditions at CRSU under 'Atulya Bharat'

SHIV KUMAR SHARMA

**JIND:** A three-day Folk Dance Festival began with great enthusiasm at Chaudhary Ranbir Singh University under the 'Atulya Bharat' programme. The cultural festival, being held from March 16 to 18, witnessed performances by around 100 artists from different states on the opening day, presenting a vibrant display of India's diverse folk traditions.

At the inaugural ceremony, chief guest Prof Kailash Chandra Sharma thanked the North Central Zone Cultural Centre, Prayagraj, for organising the event and said such programmes play a significant role in introducing the younger generation to India's rich folk heritage. He said these events provide an opportunity to understand the culture, traditions and folk life of various states while also offering a platform for artists to showcase their talent and preserve their cultural legacy.

University registrar Dr Rajesh Bansal said cultural programmes are the soul of educational institutions as they allow students to showcase their talent and help develop confidence, creativity and leadership qualities. Programme coordinator Dr Krishan Kumar said the event is being organised jointly by the Ministry of Culture, Government of India, the North Central Zone Cultural Centre, Prayagraj, and Chaudhary Ranbir Singh University. He added that the festival aims to connect the younger generation with their cultural roots at a time when modern and technological lifestyles often distance youth from traditional values. On the first day of the festival, folk artists from Madhya Pradesh, Nagaland, Haryana, Rajasthan, Uttar Pradesh and Uttarakhand presented their traditional dance forms and folk songs, highlighting the diversity of Indian culture. Director of Youth and Cultural Affairs and nodal officer of the programme Dr Anil Kumar said the university, under the guidance of vice-chancellor Prof Ram Pal Saini, is continuously working towards the preservation and promotion of folk arts and traditions. Director of the Public Relations Department Dr Vijay Kumar has been appointed as the observer for the three-day event.

# अतुल्य भारत कार्यक्रम : सीआरएसयू में फोक डांस फेस्टिवल की शुरुआत

## मध्य प्रदेश, नगालैंड, राजस्थान, हरियाणा, यूपी व उत्तराखंड के कलाकारों ने दी प्रस्तुति

जागरण संवाददाता • जींद : अतुल्य भारत कार्यक्रम के अंतर्गत चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय फोक डांस फेस्टिवल की शुरुआत हुई। कार्यक्रम के पहले दिन देश के विभिन्न राज्यों से आए लगभग 100 कलाकारों ने अपने पारंपरिक लोक नृत्य शैलियों की आकर्षक प्रस्तुति दी। सांस्कृतिक उत्सव के उद्घाटन अवसर पर समारोह के मुख्य अतिथि उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र प्रयागराज से प्रो. कैलाश चंद्र शर्मा ने शिरकत की।

उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन भारत की समृद्ध लोक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने बड़ा माध्यम है। इन कार्यक्रमों से विभिन्न राज्यों की संस्कृति, परंपराओं और लोक जीवन के बारे में जानने का अवसर मिलता है। साथ ही यह मंच लोक कलाकारों को अपनी प्रतिभा दर्शाने और अपनी सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान करता है।

इस आयोजन का उद्देश्य भारत की समृद्ध लोक परंपराओं, जनजातीय संस्कृति और विविध सांस्कृतिक धरोहर को एक मंच पर प्रस्तुत करना है। वहीं सीआरएसयू के परीक्षा नियंत्रक डा. राजेश बंसल ने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रम किसी भी शैक्षणिक संस्थान की आत्मा होते हैं। ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है और उनमें आत्मविश्वास, रचनात्मकता व नेतृत्व क्षमता का विकास होता है। इस कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ना भी है। वर्तमान आधुनिक और तकनीकी युग में कई बार युवा अपनी जड़ों से दूर होते जा रहे हैं। ऐसे में अतुल्य भारत जैसे कार्यक्रम उन्हें अपनी सांस्कृतिक विरासत को समझने और उस पर गर्व करने के लिए प्रेरित करता है।

अतुल्य भारत कार्यक्रम के अंतर्गत सीआरएसयू में प्रस्तुति देते कलाकार। • सौजन्य सीआरएसयू

**अलग-अलग राज्य की संस्कृति को प्रस्तुत** : सांस्कृतिक महोत्सव के प्रथम दिन देशभर के विभिन्न राज्यों मध्य प्रदेश, नागालैंड, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के लोक कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति दी। इन कलाकारों ने अपने-अपने राज्यों की पारंपरिक लोक नृत्य शैलियों जैसे जनजातीय नृत्य, क्षेत्रीय सांस्कृतिक नृत्य और लोकगीतों के माध्यम से भारतीय संस्कृति की विविधता को पेश किया। कार्यक्रम में मध्य प्रदेश की टीम ने अपने फोक बैंड के माध्यम से लोक संगीत की मधुर धुनें पेश की। ढोलक, हारमोनियम और अन्य पारंपरिक वाद्य यंत्रों की संगत पर गाए गए लोकगीतों ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया।

फोक डांस फेस्टिवल के पहले दिन प्रस्तुति देते हुए कलाकार। • सौजन्य सीआरएसयू

### मयूर नाच और फूलों की होली की शानदार प्रस्तुति

उत्तर प्रदेश की टीम ने मयूर नाच और फूलों की होली की शानदार प्रस्तुति दी। मयूर नृत्य में कलाकारों ने मोर की भाव भंगिमा को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया, वहीं फूलों की होली की प्रस्तुति ने ब्रज की पारंपरिक होली की याद दिलाई। उत्तराखंड से यहां पहुंची टीम ने प्रसिद्ध लोकनृत्य छपेली प्रस्तुत किया। इस नृत्य में कलाकारों ने पारंपरिक वेशभूषा में लोकगीतों की धुन पर आकर्षक नृत्य कर दर्शकों की खूब वाहवाही लूटी। राजस्थान की टीम ने चरी नृत्य में महिला कलाकारों ने सिर पर जलती हुई दीपों से सजी चरी रखकर संतुलन के साथ नृत्य किया, जो कार्यक्रम का विशेष आकर्षण का केंद्र बिंदु रहा। इसके अलावा नगालैंड की टीम ने अपने पारंपरिक लोक नृत्य प्रस्तुत। कलाकारों ने पारंपरिक पोशाक और युद्ध शैली की झलक लिए नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों को पूर्वोत्तर भारत की समृद्ध संस्कृति से रूबरू करवाया।



सांस्कृतिक कला पेश करते स्थानीय कलाकार। • सौजन्य सीआरएसयू

फेस्टिवल के पहले दिन प्रस्तुति देते हुए कलाकार। • सौजन्य सीआरएसयू